वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 237 | गुरुवार 22 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

एमपीयूएटी का 16वां दीक्षांत समारोह

पारम्परिक खेती के ज्ञान के साथ अपनाने होंगे नवाचार: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि खेती के पारम्परिक तरीकों के साथ कृषि विज्ञान की हमारी वैदिक परम्परा पर वृहद स्तर पर चिंतन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक ऐसे उपाय सुझाएं जिससे खेत-खलिहानों में समृद्धि की बयार आए। उन्होंने प्राचीन कृषि संस्कृति को सहेजने की जरूरत भी बताई। कुलाधिपति बुधवार को उदयपुर के महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 16 वें दीक्षांत समारोह में विवेकानंद सभागार में संबोधित कर रहे थे। कुलाधिपति ने योग्य छात्र छात्राओं को उपाधि एवं स्वर्ण पदक प्रदान किये। मिश्र ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को नमन भी किया। राज्यपाल ने कहा कि कृषि एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में यह विश्वविद्यालय शोध और शिक्षा में देश का प्रमुख केन्द्र बने, इसके लिए जरूरी है कि नवाचार अपनाते हुए ऐसे विषयों पर विश्वविद्यालय ध्यान दें जिससे खेतों में उन्नत पैदावार हो तथा स्थानीय जलवायु के अनुसार खेती आगे बढ़े। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों के दौरान पैदावार में वृद्धि हुई है परन्तु मिट्टी की उर्वरा शक्ति क्षीण हुई है, खेती का क्षेत्र घटने लगा है। इसके साथ ही और भी बहुत सारी समस्याएं कृषि क्षेत्र में उत्पन्न हुई है। राज्यपाल ने कहा कि वे चाहते हैं कि महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय इन समस्याओं के प्रभावी समाधान हेतु नई तकनीकों के उपयोग के साथ ही ऐसे शोध विकसित करें जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़े, विभिन्न प्रकार की फसलों का उत्पादन हो साथ ही खेती में रासायनिक उर्वरकों का कम से कम उपयोग हो।

स्टार्ट अप को बढ़ावा देने के लिए किया प्रेरित

राज्यपाल ने विद्यार्थियों के स्टार्ट अप, कैंपस प्लेसमेंट अखिल भारतीय शोध परियोजनाओं, मक्का, मशरूम और फूलों की नयी किस्मों के विकास, डिजिटल टेक्नोलॉजी के विकास, कृषि ड्रोन और ह्युमनोइड रोबोट की स्थापना, बीजोत्पादन, मत्स्य पालन, प्रताप धन मुर्गी उत्पादन, कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रदेश के सात जिलों में और आदर्श ग्राम में किये जा रहे कृषि प्रसार कार्यों, विश्वविद्यालय के राजस्व में बढ़ोत्तरी, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवाओं व फैकल्टी के कौशल विकास की बात कही। कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक ने विश्वविद्यालय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। पूर्व कुलपति एमपीयूएटी तथा पूर्व उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली डॉ. एस. एल. मेहता ने दीक्षांत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने सर्वप्रथम संविधान की उद्देशिका एवं मूल कर्तव्यों का वाचन किया। आरंभ में उदयपुर जिला कलक्टर ताराचंद मीणा व जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने राज्यपाल मिश्र की अगवानी की।

कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए बहु-आयामी रणनीति अपनानी होगी

उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी व खाद्य सुरक्षा के अंतर्गत हमें अब बहु-आयामी रणनीति अपनानी होगी। जिसके अंतर्गत खाद्य उत्पादन के साथ ही उनके भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण, जरूरतमंदों के लिए विषिष्ट उत्पादन कर उन तक प्रभावी रूप में पोषण पहुंचाने की दिशा में भी कार्य करने होंगे। जलवायु परिवर्तन तथा ग्लोबल वार्मिंग इस समय की सबसे बड़ी समस्याएं हैं। उन्होने कहा कि कृषि एवं प्रौद्योगिकी के जरिए बहुत बड़े स्तर पर समाज में परिवर्तन किया जा सकता है और महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय यह कार्य बखूबी कर रहा है। इस विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की रैंकिंग में प्रदेश में प्रथम और समूचे देश मे 15वाँ स्थान प्राप्त किया है और इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति एवं पूरे परिवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि समय संदर्भों के साथ कृषि तकनीकी क्षेत्र में विशेषज्ञ पाठ्यक्रमों एवं समन्वित शोध की शुरूआत हो, जिनसे युवा वर्ग कृषि क्षेत्र की वैश्विक और पर्यावरण संरक्षण की चुनौतियों का सामना कर सके।

सकल जैन समाज

विशाल मौन जुलूस

शिखरजी बचाओ

रविवार
25
दिसम्बर
2022

जुलूस प्रातः 9.00 बजे अल्बर्ट हॉल से रवाना होकर सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, किशनपोल बाजार एम.आई.रोड़, महावीर मार्ग होते हुए महावीर स्कूल, सी-स्कीम, पहुँचकर धर्मसभा में परिवर्तित होगा।

जुलूस नहीं - ऐलान है
शिखरजी जैनियों का सम्मान है।

..निवेदक..

भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी ■ जैन श्वेताम्बर सोसाइटी

निवेदक : सकल जैन समाज, जयपुर

94140-48432 / 98290-14617 / 98291-50171 / 98290-60185

नोट : मौन जुलूस में ड्रेस कोड : महिला वर्ग- केसरियाँ साड़ी एवं पुरुष वर्ग सफेद वस्त्र

अनुरोध : सभी महिला-पुरुष मौन रैली में काली पट्टी बांध कर पंक्तिबद्ध होकर शामिल होंगे.

निवाई के गोल्डमेडलिस अंशुल जैन सेंट जोसेफ स्कूल टोंक में सम्मानित

निवाई. शाबाश इंडिया

एक दिवसीय दौरे के दौरान राष्ट्रीय गोल्डमेडलिस अंशुल जैन ने टोंक के सेंट जोसेफ स्कूल के ऐंथलेटिक मीट स्पोर्ट्स कार्यक्रम में चीफ गेस्ट के तोर पर शिरकत की। कार्यक्रम में अतिथि के तोर पर जिला प्रमुख सरोज बंसल, ए आई सी सी मायनोरिटी के राष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर आजम बैग, भाजपा जिला महामंत्री नरेश बंसल, सेंट जोसेफ स्कूल के डायरेक्टर गोरधन हिरोनी जी मौजूद थे। मीडिया प्रभारी विमल जौला ने बताया कि ऐंथलेटिक मीट कार्यक्रम मे दौड़ प्रतियोगिता के साथ डिल प्रोग्राम का प्रदर्शन भी हुआ। वहीं गोल्डमेडलिस अंशुल जैन से खेलों के विकास को लेकर जिला प्रमुख सरोज बंसल से काफी वार्तालाप की। इस दौरान स्कूल की तरफ से निवाई के अंशुल जैन को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि गोल्डमेडलिस अंशुल जैन पाटनी पुत्र विमल जैन पाटनी पूर्व में अखिल भारतीय बेडमिंटन टूर्नामेंट एवं प्रतियोगिताओं में खेल चुके हैं जिसमें उन्होंने गोल्डमेडल जीतकर टोंक जिले का नाम रोशन किया है। गोरतलब है कि गोल्डमेडलिस अंशुल जैन ने अपनी शिक्षा सेंट जोसेफ स्कूल यहीं से प्राप्त की थी।

'संगीत में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कैसे करें' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान संगीत संस्थान जयपुर में 'संगीत में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कैसे करें' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इसे प्रस्तुत किया संस्थान में कार्यरत सहायक आचार्य डॉ वंदना खुराना ने। प्राचार्य डॉ वसुधा सक्सेना ने बताया कि इस तरह के व्याख्यान से संस्थान के विद्यार्थियों को संगीत विषय में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने में आसानी होगी तथा उचित जानकारी मिल पाएगी। संस्थान की प्लेसमेंट एवं करियर काउंसलिंग सेल के प्रभारी डॉ गौरव जैन ने बताया कि आगामी वर्ष में भी विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार के लिए उपयोगी व्याख्यान आयोजित किए जाते रहेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार गिरीश उपाध्याय ने कहा...

पत्रकार समस्या के साथ-साथ समाधान भी पेश करें

ब्रह्माकुमारीज के सागर सेवाकेंद्र पर समाधान परक पत्रकारिता से समृद्ध भारत की ओर विषय पर मीडिया सेमिनार आयोजित। जिलेभर से पत्रकारों ने लिया भाग

सागर. शाबाश इंडिया

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मकरोनिया सागर सेवाकेंद्र पर मंगलवार को मीडिया सेमिनार एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें जिलेभर से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों ने भाग लिया। सेमिनार में भोपाल से पधारे वरिष्ठ पत्रकार और माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के प्रोफसर गिरीश उपाध्याय ने कहा कि आज मीडिया को अभिव्यक्ति की आजादी की उतनी जरूरत नहीं जितना कि आजादी को समझने की जरूरत है। समाज को पत्रकारों से बहुत उम्मीदें हैं। आज हमने चीजों को महसूस करना छोड़ दिया है। हमें सहानुभूति से समानुभूति की ओर कदम बढ़ाना होंगे। आज पत्रकारिता के मानक ऐसे तय कर दिए गए हैं कि हमारे मन में ये बैठा दिया गया है कि यदि कोई नकारात्मक खबर है, कहीं कमी है, कोई समस्या है तो हम चीख चीख के उस समस्या को बताते हैं। लेकिन आज जरूरी है कि हम समस्या के साथ उसका समाधान भी पेश करें। आज खबरों की इतनी होड़ है कि खबर होने के पहले ही खबर दे रहे हैं। आज समय आ गया है कि अब समाज मीडिया को राह दिखाए। समाधान की राह अब समाज को ढूढना होगा और वह मीडिया को आईना दिखाए। ताकि मीडिया की आंखें खुल सकें।

राजयोग मेडिटेशन में समाया है सारी समस्याओं का समाधान...

समाधानपरक पत्रकारिता से समृद्ध भारत की ओर विषय पर संबोधित करते हुए दिल्ली से आये दूरदर्शन के सलाहकार संपादक और एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के एंकर मनीष वाजपेयी ने कहा कि समाधान के पहले हमें समस्या को गहराई से जानना होगा। जब तक हम समस्या को समझेंगे नहीं तो उसका उचित समाधान कर पाएंगे। राजयोग मेडिटेशन में जीवन के सभी समस्याओं का समाधान समाया हुआ है। राजयोग हमें खुद से जोड़ता है। हम खुद के बारे में बेहतर सोच पाते हैं। पत्रकार सारे दिन पूरे समाज की चिंता करता है लेकिन खुद के बारे में एकांत में चिंतन नहीं करता। अपने कर्म के साथ राजयोग को शामिल कर लेंगे तो आपका कर्म आसान और तनावमुक्त हो जाएगा। अपने जीवन की सारी समस्याओं और परेशानियों को परमात्मा को सौंपकर अपने कर्म छेत्र पर निकलें। इससे आप चिंता मुक्त रहेंगे।

ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक खबरों को बढ़ावा दें...

सागर सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी छाया दीदी ने कहा कि मीडिया के सभी भाई आपके पास कलम

की ताकत है। आप अपनी लेखनी से समाज को नई दिशा दे सकते हैं। आप सभी सकारात्मक और आध्यात्मिक खबरों को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दें। ताकि लोग सुबह सुबह जब अखवार पढ़े तो उनके मन को एक सही ऊर्जा मिले और उनके अंदर श्रेष्ठ विचारो का उदय हो। नकारात्मक खबर से मन पर बहुत गलत प्रभाव पड़ता है जिसके फलस्वरूप तनाव या टेंशन बढ़ता है। गौरझामर से आई ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी बहिन ने कहा कि हम सभी ऐसे माहौल में रहते हैं जहां तनाव या टेंशन होना स्वाभाविक है लेकिन उसका समाधान है राजयोग मेडीटेशन, जिसके अभ्यास से हम न केवल तनाव या टेंशन से दूर रहते है बल्कि हम सदा एक नई ऊर्जा से अपने मन को उमंग उत्साह से भरपूर रख पाते हैं। इसके साथ उन्होंने सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। जिससे सभी ने गहन शांति का अनुभव हुआ। राहतगढ़ से आई ब्रह्माकुमारी नीलम बहन ने कहा कि पत्रकार के हाथों में समाज को नई दिशा देने की शक्ति है। आप चाहें तो कलम को निर्माण के कार्य में लगा सकते हैं और आप चाहें तो उसे विध्वंस में लगाएं। परमात्मा ने आप सभी को कलम की ताकत दी है। क्योंकि आप विशेष आत्माएं हैं। इंक मीडिया के निदेशक डॉ आशीष द्विवेदी ने कहा कि आज पत्रकारों से मीडिया संस्थान के मालिक अपने हित साधने के लिए उपयोग करते हैं। पत्रकार को यदि समाज में अपना अस्तित्व बचाये रखना है तो कलम की ताकत को बचाकर रखना होगा। वरिष्ठ पत्रकार बृजेश तिवारी ने कहा कि आजादी के समय से लेकर आज तक पत्रकार और पत्रकारिता ने ही समाज के सामने समस्याओं का समाधान पेश किया है। बीके पुष्पेन्द्र ने कहा कि 1984 से ब्रह्माकुमारीज का मीडिया विंग मूल्यनिष्ठ मीडिया के ध्येय वाक्य के साथ पत्रकारों के जीवन में आध्यात्मिकता का प्रकाश फैलाने और उन्हें राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा देने के लिए कार्य कर रहा है। ब्रह्माकुमारीज की आज विश्व के 142 देशों में 8500 सेवाकेंद्र के माध्यम से सेवाएं जारी हैं। 15 लाख लोग यहाँ के नियमित विद्यार्थी है।

वेद ज्ञान

'स्मरण शक्ति' को समझें

स्मरण-शक्ति की प्रखरता से मनुष्य अधिक विचारशील समझा जाता है। स्मरण-शक्ति से उसके ज्ञान की परिधि अधिक बड़ी होती है, जबकि भुलक्कड़ लोग महत्वपूर्ण ज्ञानसंचय से तो वंचित रहते ही हैं, साथ ही भूल जाते हैं और समय-समय पर ठोकरें खाते हैं या स्वयं को नुकसान पहुंचाते हैं। कई लोगों में प्रखर स्मृति जन्मजात रूप से पाई जाती है और वह इतनी तीक्ष्ण होती है कि दूसरे लोग चमत्कृत होते देखे जाते हैं। प्रखर स्मृति के अनेक उदाहरण संसार में देखने-सुनने को मिलते हैं। इतने पर भी यह नहीं समझा जाना चाहिए कि स्मरण रखने की विशिष्ट क्षमता कोई दैवीय वरदान या जन्मजात सौभाग्य होता है। हो सकता है, किन्हीं विरलों को यह अनायास ही प्राप्त हो गई हो, परंतु वह अन्य शारीरिक क्षमताओं के सदृश एक ऐसी सामर्थ्य है, जिसे प्रयत्नपूर्वक आसानी से बढ़ाया जा सकता है। जिस बात पर अधिक ध्यान दिया जाता है वह स्वभावतः विकसित होने लगती है और जिसकी उपेक्षा की जाती है, उसका घटना भी सुनिश्चित है। किसी प्रकरण का वर्षों तक दिमाग में बने रहना और किसी का कुछ ही दिनों में धूमिल हो जाना प्रायः इसी तथ्य पर आधारित होता है। ऐसा देखा गया है कि घटनाओं के प्रति यदि तटस्थ भाव बरता जाए, उपेक्षा भाव रखा जाए, उन्हें महत्वहीन और निरर्थक समझा जाए, तो वे स्मृति पर देर तक टिकती नहीं हैं। इसके विपरीत यदि उन्हें तन्मयता के साथ एकाग्र होकर देखने-समझने का प्रयास किया जाए, तो उनकी छवि देर तक मस्तिष्क में बनी रहती है। अधिकांश महत्वपूर्ण घटनाएं व्यक्ति को आजीवन स्मरण रहती हैं जबकि दूसरी विस्मृत हो जाती हैं। वैज्ञानिक प्रयोगों से सिद्ध हो चुका है कि औसत व्यक्ति अपनी स्वाभाविक स्मरणशक्ति का मात्र दस प्रतिशत प्रयोग करता है, जबकि नब्बे प्रतिशत ऐसे ही अस्त-व्यस्त स्थिति में पड़ी रहती हैं। नतीजतन मनुष्य सामान्य स्तर का बना रहता है। घटनाओं को मात्र उनके कल्पनाचित्र के रूप में ही नहीं, बल्कि तात्पर्य और फलितार्थ को भी ध्यान में रखते हुए यदि मानसपटल पर जमाया जाए तो जल्दी याद भी हो जाएगा। कई-कई बार उन्हें मौन रूप से और वाणी से दोहराया जाए।

संपादकीय

देश की समूची आबादी की पहुंच अच्छी शिक्षा तक हो

यह एक सामान्य व्यवस्था होनी चाहिए कि देश की समूची आबादी की पहुंच अच्छी शिक्षा तक हो और वह देश के विकास में अपनी भूमिका निभाए। मगर विकासशील देशों में विकास के अन्य मोर्चों पर काम करते हुए शिक्षा को शायद प्राथमिकता सूची में अहमियत नहीं मिल पाती। स्वाभाविक ही इसका असर सभी पक्षों पर पड़ता है और उसकी गुणवत्ता प्रभावित होती है। कायदे से होना यह चाहिए कि सरकार हर स्तर पर सर्वेक्षण करा कर स्कूलों की जरूरत को चिह्नित करे और जरूरतमंद आबादी के लिए स्कूल और अच्छी शिक्षा-दीक्षा सुनिश्चित करे। मगर संसाधनों की कसौटी पर प्राथमिकता सूची में वाजिब जगह न मिल पाने की वजह से इस दिशा में वक्त पर पहल नहीं की जाती। नतीजतन, बाद में तस्वीर और बिगड़ती जाती है और कई बार चालू स्कूलों को भी बंद करने की नौबत आती है। राज्यसभा में केंद्र सरकार ने एक सवाल के जवाब में बताया कि पिछले चार साल के दौरान देश भर में इकसठ हजार से

ज्यादा सरकारी स्कूल बंद हो गए। हालांकि इसके साथ ही सरकार ने यह भी बताया कि पिछले तीन सालों में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की तादाद में एक करोड़ तेईस लाख की बढ़ोतरी हुई। यह अपने आप में एक विचित्र बात है कि जिस अवधि में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी, उसी बीच भारी संख्या में स्कूल बंद हुए। सवाल है कि आखिर वे कौन-सी स्थितियां थीं कि विद्यार्थियों की बढ़ती तादाद की जरूरतों के मद्देनजर जहां स्कूल बढ़ने चाहिए थे, वहां उनकी संख्या कम हुई? क्या यह मान लिया गया कि जितने विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में नामांकित हैं, उनकी जरूरतों के मद्देनजर पर्याप्त स्कूल हैं? अनेक मौकों पर ऐसी खबरें आती रही हैं कि ज्यादातर स्कूलों में क्षमता से अधिक विद्यार्थी हैं और कक्षाओं में शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात में भारी असंतुलन है। इन वजहों से स्कूलों में पढ़ाई-लिखाई की गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित होती है। स्कूलों को बंद करने के पीछे आमतौर पर वजह यह बताई जाती है कि उस जगह पर उसकी जरूरत नहीं थी। यह संभव है कि एक जनप्रतिनिधि या सामुदायिक मांग के आधार पर किसी जगह स्कूल तो खोल दिए जाते हैं, मगर वहां पर्याप्त विद्यार्थी दाखिला नहीं ले पाते। मगर एक ही समय में विद्यार्थियों की संख्या में इजाफा हो रहा है और दूसरी ओर स्कूल बंद किए जा रहे हों, तो उसे कैसे देखा जाएगा! दरअसल, पिछले करीब ढाई सालों में कोविड महामारी से बचाव के तर्क पर जब पूर्णबंदी लागू हुई तो उसकी वजह से देश में बड़ी संख्या में लोगों की आर्थिक स्थिति बुरी तरह प्रभावित हुई। मजबूरन बहुत सारे परिवारों ने निजी स्कूलों का खर्च नहीं जुटा पाने के चलते अपने बच्चों को वहां से हटा लिया और उनका दाखिला सरकारी विद्यालय में कराया। स्वाभाविक ही इन स्थितियों का दबाव मौजूदा सरकारी स्कूलों पर बढ़ा, जहां विद्यार्थियों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई। इसके समांतर आज भी यह सवाल अपनी जगह कायम है कि देश भर के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली पड़े हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जीत का जज्बा...

खेल का कौशल और तकनीकी समझ के साथ-साथ खिलाड़ी में जीतने की जिद और इसका जज्बा हो, तो उसे मैदान मारने से कोई रोक नहीं सकता। यह बात इस बार के फीफा विश्वकप में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी ने साबित कर दिखाया। वे अपनी टीम के साथ विश्व कप जीतने के संकल्प के साथ ही पहुंचे थे। हालांकि हर टीम जीतने के इरादे के साथ ही खेल के मैदान में उतरती है और उसके लिए अपनी सारी ताकत झोंक देती है। मगर मेस्सी ने विश्वकप शुरू होने से पहले ही एक तरह से संकेत दे दिया था कि इस बार की प्रतिस्पर्धा उनके लिए प्रतिष्ठा से जुड़ी है। विश्वकप से संन्यास की घोषणा भी उन्होंने पहले ही कर दी थी। इसलिए दुनिया भर के खेल प्रेमियों की भावना उनसे जुड़ गई थी। सब यही चाहते थे कि मेस्सी की टीम जीते और वे एक शानदार पारी खेल कर विदा हों। मगर अर्जेंटीना के सामने फ्रांस की टीम एक बड़ी चुनौती थी। वह पिछली बार की विश्वकप विजेता थी और उसने दुबारा यह खिताब अपने नाम करने के लिए कड़ी मेहनत की थी। उसके खिलाड़ियों ने अपनी रणनीतिक कुशलता से अर्जेंटीना के लिए हर कदम पर मुश्किलें खड़ी की। मगर मेस्सी की नेतृत्व कुशलता की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने अपनी टीम का मनोबल कमजोर नहीं होने दिया और एक तरह से हारती हुई बाजी अपनी मुट्ठी में कर ली। निस्संदेह मेस्सी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबाल खिलाड़ियों में हैं। उन्होंने फुटबाल के खेल में कई कीर्तिमान बनाए हैं। सात बार वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रह चुके हैं। मगर उन्हें इस बात का मलाल जीवन में बना हुआ था कि वे अपने देश को विश्वकप नहीं दिला सके। इसी टीस ने शायद उनमें इस बार का विश्वकप जीतने का जज्बा भरा था और आखिरकार वे अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को छत्तीस साल बाद विश्वकप दिलाने में कामयाब हुए। पेले और डिएगो माराडोना के बाद वे पहले ऐसे फुटबाल खिलाड़ी हैं, जिनका जादू पूरी दुनिया के खेल प्रेमियों के सिर चढ़ कर बोला। उनके हर गोल पर जश्न मना। वर्षों से मेस्सी की तुलना अर्जेंटीना के फुटबाल खिलाड़ी माराडोना से की जा रही थी कि दोनों में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कौन है। हालांकि दोनों के खेलने के अपने अंदाज रहे हैं, मगर माराडोना के साथ एक कीर्तिमान यह जुड़ा हुआ था कि उनकी कप्तानी में अर्जेंटीना ने विश्वकप जीता था। फिर यह भी कहा जाता था कि माराडोना देश के लिए ज्यादा जज्बे के साथ खेलते थे और मेस्सी बासीलोना के क्लब के लिए। जबकि मेस्सी के पास माराडोना से कहीं अधिक उपलब्धियां हैं। हालांकि किसी भी खेल में जीत-हार का फैसला खिलाड़ियों के प्रदर्शन से होता है, मगर जब किसी टीम के साथ दुनिया के खेल प्रेमियों की भावनाएं जुड़ जाती हैं, तो उस पर स्वाभाविक रूप से नैतिक दबाव बढ़ जाता है। अर्जेंटीना के साथ भी यही हुआ। वह न केवल इस नैतिक दबाव के साथ मैदान में उतरी थी कि उसे अपने कप्तान को शानदार तोहफा देकर विदा करना था, बल्कि दुनिया भर के फुटबाल प्रेमियों के भरोसे पर भी खरा उतरना था। इसमें वह कामयाब हुई। खेल का रोमांच अंत तक बना रहा। आखिरकार फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ, जिसमें मेस्सी ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। इस जीत से मेस्सी निस्संदेह दुनिया के फुटबाल इतिहास में जीवित किंवदंती बन गए हैं और इस तरह वह बहस भी समाप्त हो गई है कि माराडोना और उनमें से कौन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है।

पवित्र तीर्थ शिखरजी धर्म बचाओ-तीर्थ बचाओ के साथ सड़को पर उतरा जैन समाज

संपूर्ण जैन समाज के सबसे बड़ा तीर्थ को बचाने के लिए पूरे देश में हो रहा विरोध-प्रदर्शन

श्री सम्मेद शिखरजी तीर्थ को पर्यटन स्थल बनाने के विरोध में जैन समाज ने विशाल मौन जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। संपूर्ण देश के जैन समुदाय के आस्था के केंद्र व सबसे बड़े तीर्थ स्थल श्री सम्मेद शिखरजी तीर्थ क्षेत्र बचाओ आंदोलन के तहत विशाल मोन जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पिड़ावा की सकल दिगंबर जैन समाज के बेनर तले एतिहासिक मोन रैली के द्वारा अहिंसक रुप से विशाल मोन जुलूस निकाला गया।इस दौरान सम्पूर्ण पिड़ावा में जैन समाज ने सारे प्रतिष्ठान बंद रखकर विरोध जताया। सर्वप्रथम संपूर्ण जैन समाज महिला, पुरुष, बुजुर्ग, युवक, युवतियां व बच्चे हजारो की जनसंख्या में श्री सांवलिया पारसनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर मेंअपनी अपनी बाह में काले रंग की पट्टी बांधे हुए एकत्रित हुए।इसके बाद हजारों की संख्या में महिला, पुरुष, युवक, युवती व बच्चों के साथ विशाल मौन जुलूस शुरू हुआ। जो चौधराइन शहर मोहल्ला, सेठान महोल्ला, खंडपूरा, वीडियो चौराहा, नयापुरा, तलाई चौक होता हुआ उपखंड कार्यालय परिसर पहुंचा। यहां सभी समाज ने एक साथ झारखंड सरकार के होश में आओ के जोरदार नारे लगाए। जिससे पूरा उपखंड परिसर गूंज उठा। जिसके बाद समाज के पदाधिकारियों व प्रबुद्ध जनों ने सभी समाज जन को संबोधित करते हुए कहा कि श्री सम्मेद शिखर तीर्थ हमारा है हमारा ही रहेगा। झारखंड सरकार इसको पर्यटन स्थल घोषित नहीं कर सकती। इसके बाद सकल दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष अनिल चेलावत में सभी समाज जन का आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, झारखंड मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी अभिषेक चारण को ज्ञापन सोपा। सकल दिगंबर जैन समाज ने ज्ञापन में बताया कि क्षेत्र बीस तीर्थंकरों एवं करोड़ों मुनियों की निर्वाण स्थली होने के कारण श्री सम्मेद शिखर का कण कण समस्त जैन समाज के लिए पूजनीय एवं वंदनीय है। 2 अगस्त 2019 को तत्कालीन झारखंड सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय वन मंत्रालय ने शाश्वत तीर्थ क्षेत्र सम्मेदशिखर को वन्यजीव अभ्यारण्य का भाग घोषित कर दिया गया है। इको सेंसेटिव जोन के अंतर्गत पर्यावरण पर्यटन एवं अन्य गैर धार्मिक गतिविधियों की अनुमति देने वाली अधिसूचना बिना जैन समाज से आपत्ति एवं सुझाव लिए जारी कर दी है। इसका देश का समग्र जैन समाज सख्त विरोध करता है। सम्मेद शिखर की पवित्रता एवं स्वतंत्र पहचान को नष्ट करने के लिए झारखंड सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा जारी गजट नोटिफिकेशन को रद्द करवाकर पर्वतराज एवं मधुबन क्षेत्र को पवित्र जैन तीर्थ क्षेत्र घोषित करने की संपूर्ण जैन समाज मांग करता है।

ये हैं मुख्य मांगे

पारसनाथ पर्वतराज को वन्य जीव अभ्यारण्य, पर्यावरण पर्यटन के लिए घोषित इको सेंसिटिव जोन के अंतर्गत जोनल मास्टर प्लान व पर्यटन मास्टर प्लान, पर्यटन / धार्मिक पर्यटन सूची से बाहर किया जाएँ। पारसनाथ पर्वतराज को बिना जैन समाज की सहमति के इको सेंसिटिव जोन के अंतर्गत वन्य जीवअभ्यारण्य का एक भाग और तीर्थ माना जाता है लिखकर तीर्थराज की स्वतंत्र पहचान व पवित्रता नष्ट करने वाली झारखण्ड सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना क्र. 2795 (ई) दिनांक 023अगस्त 2019 को अविलंब रद्द किया जाए। पारसनाथ पर्वतराज और मधुबन को माँस-मदिरा बिक्री मुक्त पवित्र ₹जैन तीर्थस्थल₹ घोषित किया जाए। पर्वतराज की वन्दना मार्ग को अतिक्रमण, वाहन संचालन व अभक्ष्य सामग्री बिक्री मुक्त कर यात्री पंजीकरण, सामान जांच हेतु सीआरपीएफ, स्कैनर, सीसीटीवी कैमरे सहित दो चेक पोस्ट चिकित्सा सुविधा सहित बनाये जाए। पर्वतराज से पेड़ो का अवैध कटान, पत्थरों का अवैध खनन और महुआ के लिए आग लगाना प्रतिबंधित करने की मांग की।

प्रदेश में जैन बोर्ड का गठन करने की मांग जोरो पर

सकल दिगंबर जैन समाज पिड़ावा ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर राजस्थान में जैन बोर्ड का गठन करने की मांग की। ज्ञापन में बताया कि जैन समुदाय को अल्पसंख्यक समुदाय की श्रेणी में अधिसूचित किये जाने के उपरांत जैन धर्म, संस्कृति, धार्मिक धरोहरों (अतिशय क्षेत्र, सिद्ध क्षेत्र, तीर्थ क्षेत्र, प्राचीन मंदिर, नसियां) के संरक्षण के संबंध में कोई ठोस कार्यवाही नहीं की है। फलस्वरूप समूचे देश में अतिप्राचीन धार्मिक धरोहरों के विनष्ट करने के कुप्रयास निरन्तर हो रहे हैं। जैन धर्म की धरोहरों पर अनैनिक एवं अवैध तरीके से अवैध कब्जे, अतिक्रमण हो रहे हैं। जैन संतों पर आए दिन उपसर्ग हो रहे हैं। जैन संतों की चर्या यथा विहार और निहार में काफी परेशानियां सामने आ रही है। सकल दिगंबर जैन समाज पिड़ावा ने जैन समुदाय की संस्कृति, धार्मिक सम्पत्तियों (अतिशय क्षेत्र, सिद्ध क्षेत्र, तीर्थ क्षेत्र, प्राचीन मंदिर, नसियां) की सुरक्षा/संरक्षण, जैन आचार्यों-संतों की सुरक्षा एवं चर्या के संरक्षण के लिए राजस्थान में जैन बोर्ड का गठन करने की मांग की।

जे एस जी नार्थ का शरद उत्सव सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ का शरद उत्सव कार्यक्रम गोकुल एस सीकर रोड पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुनीता जैन योग प्रशिक्षक एवं श्वेता जैन, रेकी प्रशिक्षक का पदाधिकारी ग्रुप अध्यक्ष अभय गंगवाल, संस्थापक अध्यक्ष मनीष झाझरी, सुनील सोगानी संगठन मंत्री, संजय काला संयुक्त सचिव एवं राजेंद्र जैन कोषाध्यक्ष द्वारा माला दुपट्टा एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। जय जिनेंद्र प्रतियोगिता के पारितोषिक ग्रुप पूर्व अध्यक्ष संजय संगीता जैन द्वारा दिए गए। राजस्थानी थीम पर आकर्षक हाउजी का आयोजन अंजना गंगवाल एवं नीति चांदवड द्वारा किया गया। सभी दंपत्ति सदस्यों का तिलक लगाकर कार्यक्रम संयोजक प्रदीप अनीता अजमेरा एवं दिनेश अलका जैन द्वारा किया गया। आकर्षक गेम्स का आयोजन महेन्द्र रेखा जैन एवं निशांत साक्षी जैन द्वारा किया गया ।

वात्सल्य वारिधि आचार्य श्रीश्री वर्धमान सागर जी द्वारा मुनि दीक्षा दी गई

चंद्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीरजी। क्षुल्लक श्री दीप्त सागर जी की मुनि दीक्षा बोली नगर में वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री श्री वर्धमान सागर जी ने दी। नवीन नाम मुनि श्री दीप्त सागर जी किया गया। आपका पूर्व नाम कैलाश चंद सेठी कोलकत्ता है आपकी आचार्य श्री वर्धमान सागर जी से कुछ वर्षो पूर्व क्षुल्लक दीक्षा हुई। आज मुनि दीक्षा दी गई हैं ।

जनकपुरी महिला मंडल के द्वारा मंदिर में पाठशाला का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी महिला मंडल के द्वारा मंदिर में पाठशाला का शुभारंभ किया गया। प्रारम्भ मे 30 महिलाओं ने पाठशाला में पहला भाग पढ़कर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई । अध्यक्ष शकुंतला विनायका ने बताया कि दीप प्रज्वलन राज चौधरी ने किया और उनका माला पहनाकर सम्मान अनिता विनायका ने किया । किरन जैन ने पहला भाग पढाकर उन्हे धर्म का मर्म समझाया ।पाठशाला में उर्मिला, सुलोचना, शीला, रजनी, बीना, स्नेहलता, मंजू, लता , मीना आदि ने भांग लिया। महिने में 2 बार ये क्लास लगाई जाएगी ।

आत्मा व परमात्मा के मिलन के परमानंद की कथा है भगवान श्रीकृष्ण का महारासः संतोषसागर महाराज

भागवत कथा श्रवण करने से जीवन में आती भक्ति,संदेशों को आचरण में उतारे

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जिनके उपर राधे की कृपा होती है उन पर कृष्ण की कृपा होती है। राधे के बिना रास नहीं हो सकता। रासलीला आत्मा व परमात्मा के मिलन के परमानंद की कथा है। जो परमात्मा की तरफ बढ़ता है वह परमानंद की प्राप्ति कर लेता है। जीवन में सुख-दुःख लगा रहता है। हम परमात्मा को पुकारे तो ये आनंद की स्थिति होती लेकिन परमात्मा हमे पुकारे तो परमानंद है। भगवान को किसी भौतिक साधन, धन, रूप-सौन्दर्य से नहीं रिझाया जा सकता है। भगवान को रिझाने का एक मात्र साधन प्रेम है। ये विचार सनातन धर्मयात्रा के प्रणेता राष्ट्रीय युवा संत संतोषसागर महाराज ने मंगलवार को भीलवाड़ा के शास्त्रीनगर स्थित जाट भवन में सनातन धर्म भागवत कथा समिति के तत्वावधान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के छठे दिन व्यास पीठ से भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का वाचन करते हुए व्यक्त किए। कथा के शुरू में भागवतजी की आरती व पूजा अग्रणी जजमान मेघराज बाहेती, महावीर झंवर, मनोज सारड़ा, मुरारीलाल बिहानी आद ने की। राजस्थान के 25 जिलों में सनातन धर्म यात्रा निकालने के बाद 26वें पड़ाव के रूप में भीलवाड़ा पहुंचे संतोषसागरजी महाराज ने शरद पूर्णिमा की दिव्य रात्रि में यमुना किनारे ब्रज भूमि पर महारास आयोजन का शाब्दिक भावपूर्ण चित्रण करते हुए कहा कि कृष्ण हमे भी प्राप्त हो सकते है लेकिन उसके लिए गोपियों की जैसी भक्ति चाहिए। महारास प्रसंग में भक्तिरस से सराबोर कर देने वाले गोपी गीत का श्रवण कराते हुए कहा कि जो भगवान श्रीकृष्ण की प्राप्ति करना चाहते हो उन्हें प्रतिदिन ये गोपी गीत गाना चाहिए। महाराजश्री ने कहा कि भागवत कथा श्रवण करने से जीवन में भक्ति आती है। केवल तिलक लगाना या मंदिर जाना ही भक्ति नहीं है बल्कि कथा में जो सुना उसे आचरण में लाना ही भक्ति है। परमात्मा हर जगह मौजूद है यहीं दृष्टि रखकर कार्य करना चाहिए। आयोजन के छठे दिन विशिष्ट अतिथि उद्यमी अनिल कंदोई, पूर्व सभापति मंजू पोखरना,देशनोक नगरपालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश मूंदड़ा, डॉ. आलोक मित्तल, लक्ष्मी सोनी, डिंपल सोनी, श्रीनगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा के अध्यक्ष केदार जागेटिया, जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री देवेन्द्र सोमानी, भारत विकास परिषद के पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष कैलाश अजमेरा, पंकज अग्रवाल, पवन जीनगर, अविचल व्यास आदि ने व्यास पीठ पर विराजित संतोषसागर महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रीराम मंडल सेवा संस्थान के सदस्यों द्वारा भी अध्यक्ष शांतिप्रकाश मोहता के नेतृत्व में पूज्य संतोषसागर महाराज का स्वागत किया गया। सनातन धर्मयात्रा के तहत संतोषसागर जी महाराज द्वारा बच्चों व युवाओं को निःशुल्क गीता पुस्तक वितरण के कार्य में सहयोग के रूप में श्रीराम मंडल सेवा संस्थान ने दो लाख रूपए की सहयोग राशि प्रदान करने की घोषणा की।

राधे-राधे जपो चले आएंगे बिहारी

श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव में छठे दिन कथा शुरू होने से लेकर अंत तक श्रद्धालु संगीतमय भक्तिरस में डूबे रहे। श्रीमद् भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगों के वाचन के दौरान बीच-बीच में भजनों की गंगा प्रवाहित होती रही। जैसे ही व्यास पीठ से संतोषसागर महाराज कोई भजन शुरू करते कई श्रद्धालु अपनी जगह खड़े होकर नृत्य करने लगते। उन्होंने मेरी नाव चले हर के सहारे, राधे-राधे जपो चले आएंगे बिहारी, श्रीराधे कीजे कृपा ओर आदि भजन गाए। भजनों पर पांडाल में श्रद्धालु नृत्य करने लगे। नृत्य करने वालों में महिला-पुरुष सभी उम्र वर्ग के श्रद्धालु शामिल थे। सनातन धर्म भागवत कथा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के लिए भीलवाड़ा आए पूज्य संतोषसागर महाराज ने सनातन धर्म यात्रा के तहत बुधवार सुबह शहर के नोबल इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों को उद्बोधन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि बच्चें पढ़ाई में रूचि जागृत करें एवं अपनी प्रतिभा को पहचाने तब सफलता प्राप्त होगी। इन दोनों को विकसित करने से विश्वास मजबूत होता है।

स्वाभिमान और स्वाभिमानी वही श्रेष्ठ है, जिसके वाणी व्यवहार में मधुरता और स्वभाव में विनम्रता हो: अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखर जी। जैसे - जो धातु अग्नि के बिना गर्म किये मुड़ जाती है, और वह लकड़ी जो बिना पानी में डाले झुक जाती है। इसी प्रकार विनय, विवेक, समझदारी, होशियारी और बुद्धिमानी से जो लोग कार्य को अंजाम देते हैं, वह कभी असफल नहीं होते। विनम्रता का मतलब आत्म विश्वास का अभाव नहीं होता और स्वाभिमानी का मतलब यह नहीं कि आप बहुत कॉन्फिडेंट है। बात अपनी सीमाओं और कमजोरियों को पहचान कर, अपनी जमीन पर मजबूती से बने रहने की है। यदि आप में कॉन्फिडेंट या आत्म विश्वास से भरी विनम्रता है, तो आप किसी भी मुश्किल का आसानी से सामना कर सकते हैं। और कुछ लोगों के कार्य - कर्तव्य और सलाह से लिये गये निर्णय, उनके कार्य सम्पन्न होने के बाद ही लोग जान पाते हैं। अंगार पर राख जम जाये तो उसे बुझा नहीं समझना चाहिए। **यह छह बातें आदमी की सफलताओं में बाधक बन सकती है:** (1) ज्यादा अहंकार (2) अति वाचालता (3) ज्यादा होशियारी (4) दूसरों को बेवकूफ समझना (5) अपने स्वार्थ के बारे में ही सोचना (6) मित्र दोह बनकर जीना। इन से बचकर ही हम इस जीवन का आनंद उठा सकते हैं। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

महावीर पब्लिक स्कूल में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन वर्धमान सभा भवन मे किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि माननीय नरेंद्र कुमार जैन (सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश) का स्वागत विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी द्वारा माला व साफा पहनाकर, मानद् मंत्री सुनील बख्शी द्वारा शॉल व माला पहनाकर तथा प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट करके किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नरेंद्र कुमार जैन, विद्यालय के अध्यक्ष उमराव संघी, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पांड्या, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, संयुक्त सचिव कमल बाबू जैन, कोषाध्यक्ष महेश काला,संयोजक सुदीप ठोलिया, विनोद कोटखावदा, राजेन्द्र बिलाला, रूपिन काला तथा विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन सहित श्लोकोच्चारण की मंगल ध्वनि के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। विद्यालय की छात्राओं द्वारा णमोकार मंत्र पर दी गई नयनाभिराम नृत्य प्रस्तुति ने समारोह में उपस्थित सभी जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया तत्पश्चात विद्यालय के मानद् मंत्री सुनील बख्शी द्वारा स्वागत भाषण दिया गया तथा विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस समारोह में 12वीं बोर्ड परीक्षा में टॉपर रहे छात्र मोहित तलवार(साइंस) को 15,000/- का चेक, सर्टिफिकेट व ट्रॉफी,सुहानी गुप्ता व लक्ष्य भारद्वाज (कॉमर्स) को 7,500-7,500/- के चेक, सर्टिफिकेट व ट्रॉफी के द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही बोर्ड परीक्षा में विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु विद्यार्थियों को मेडल व सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। एंडोवमेंट्स अवॉर्ड्स के अंतर्गत बी.एल. अजमेरा एजुकेशनल एंडोवमेंट की ओर से 12वीं बोर्ड परीक्षा में टॉपर रहे छात्र मोहित तलवार (साइंस), सुहानी गुप्ता व लक्ष्य भारद्वाज (कॉमर्स) को 1000-1000/- के चेक सर्टिफिकेट व ट्रॉफी प्रदान की गई। फूलवती लुहाडिया स्पोर्ट्स फाउंड की ओर से बेस्ट स्पोर्ट्स बॉय नमन शर्मा व बेस्ट स्पोर्ट्स गर्ल एशिता गोस्वामी को15,000-15,000/- के चेक सर्टिफिकेट व ट्रॉफी प्रदान की गई। ज्ञानचंद खिंदुका एजुकेशनल एंडोवमेंट की ओर से जैन छात्रों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 10वीं कक्षा के छात्र नैतिक जैन को 11000/- का चेक व सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। सुदीप ठोलिया एजुकेशनल एंडोवमेंट की ओर से दिविता शर्मा को बेस्ट एथलीट के लिए 3000/- का चेक का सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। रमेश चंद पापरीवाल स्मृति कोष की ओर से एसएमडीजे विद्यालय के अध्यापक मनीष मिश्रा व अध्यापिका श्रीमती तनु जैन को उनके उत्कृष्ट सहयोग के लिए बेस्ट टीचर के अवार्ड से सम्मानित करने हेतु गोल्ड मेडल दिए गए। कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए युक्ता अग्रवाल को सर्टिफिकेट ट्रॉफी प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ सदन के लिए बुलबुल हाउस को बंसीलाल लुहाडिया ट्रॉफी व सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष उमरावमल जी संघी द्वारा सभा को सम्बोधित करते हुये विद्यार्थियों को उन्नति के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। तत्पश्चात् आयोजन के मुख्य अतिथि ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए गुरू व शिक्षा के महत्व पर अपने उद्गार प्रकट किए। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ ।

अशोकनगर सहित राजपुर, कचनार, की जैन समाज ने एक दिन के लिए किये प्रतिष्ठान बंद

सम्मेद शिखर को पर्यटन क्षेत्र बनाने के विरोध में एकजुट हुआ जैन समाज

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

अशोकनगर। जैनों के शास्वत तीर्थ क्षेत्र सम्मेद शिखर को केंद्र सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र बनाने के फैसले के बाद जैन समाज विरोध के लिए उतर आया। भारतवर्ष के जैन आचार्यों एवं मुनियों की अपील पर जैन समाज ने विरोध स्वरूप बुधवार को एक दिन के लिए अपने प्रतिष्ठान बंद रख कर बाईक रैली एवं जुलूस निकाले। इसी तारतम्य में बुधवार को स्थानीय जैन व सर्व समाज ने सुबह से ही अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर विरोध प्रकट किया। इसके बाद दोपहर 12 बजे स्थानीय श्री दिगम्बर जैन गंज मंदिर से मौन बाईक जुलूस निकाला और गाँधी पार्क पर जैन के लोगों ने अपने सिर का मुंडन करवा कर विरोध प्रदर्शन किया। सम्मेद शिखर जी को पर्यटन क्षेत्र बनाने के फैसले को वापिस लेने के लिए मौन जुलूस एवं बंद के दौरान जैन एवं सर्व समाज के लोगों ने भी सरकार के फैसले के विरोध में अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर बंद का समर्थन किया। शहर में विरोध स्वरूप पूरे दिन अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। झारखंड के गिरिडीह जिले में स्थित सम्मेद शिखर जैन धर्म के 20 तीर्थंकरों की निर्वाण भूमि है यहां से 20 जैन तीर्थंकरों ने कठिन तपस्या करके मोक्ष प्राप्त किया था। इस शास्वत जैन तीर्थ से जैन समाज की विशेष आस्था जुड़ी हुई है। हाल ही में केंद्र व झारखंड सरकार ने सम्मेद शिखर को धार्मिक स्थल न मानते हुए पर्यटन क्षेत्र बनाने का फैसला किया था। इस फैसले को लेकर देश भर की जैन समाज सड़कों पर आ गई थी।

कृषि मंत्री कटारिया ने लिया आचार्य सुनील सागर का आशीर्वाद

जैन बोर्ड के गठन का दिया आश्वासन

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान आचार्य श्री 108 सुनील सागर महाराज ससंघ के दर्शनार्थ आज प्रदेश के कृषि मंत्री लालचंद कटारिया पहुंचे एव उनका आशीर्वाद लिया। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से संयोजक प्रवीण बड़जात्या एवं मंत्री प्रमोद बोहरा ने कटारिया का तिलक एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। समाजसेवी जयकुमार बड़जात्या ने पगड़ी पहनाकर मंत्री का अभिनंदन किया। मंत्री के साथ वैशाली नगर से पार्षद प्रत्याशी मोहित जैन एवं उत्तम यादव भी मौजूद रहे। आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में जैन समाज के पुरोधा एवं महान स्वतंत्रता सेनानी अर्जुन लाल सेठी की देशभक्ति एवं समर्पण भावना को अतुल्य बताते हुए उनके नाम पर राजकीय भवन का नामकरण करने का आग्रह किया। मंत्री कटारिया ने समाज की सभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री को निवेदन किया कि समाज की भावना मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाएगी, वे अपनी ओर से अर्जुन लाल सेठी की देश के प्रति सेवाओं और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को देखते हुए सिफारिश भी करेंगे। साथ ही जैन समाज के आग्रह पर मंत्री कटारिया ने प्रदेश में जैन बोर्ड के गठन को उचित बताते हुए मुख्यमंत्री से बात करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सेंकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आचार्य श्री के सानिध्य में मंत्री कटारिया ने भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष में प्रवर्तित होने वाले अहिंसा रथ को तिलक लगाया।

आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में जैन समाज के पुरोधा एवं महान स्वतंत्रता सेनानी अर्जुन लाल सेठी की देशभक्ति एवं समर्पण भावना को अतुल्य बताते हुए उनके नाम पर राजकीय भवन का नामकरण करने का आग्रह किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन समाज चौमूं 25 दिसंबर मौन जुलूस निकालेगा

चौमूं/जयपुर. शाबाश इंडिया

सकल जैन समाज चौमूं के तत्वावधान में शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेद शिखरजी तीर्थ क्षेत्र की झारखंड की अनुशंसा पर केंद्र सरकार द्वारा पर्यटन स्थल घोषित किया गया जिससे संपूर्ण जैन समाज में खासा आक्रोश है इस हेतु समस्त जैन समाज चौमूं ने जनरल मीटिंग का आयोजन किया एवं मीटिंग में निर्णय लिया गया कि इसके विरोध में रविवार दिनांक 25 दिसंबर 2022 को दोपहर 12:15 बजे मौन जुलूस निकाला जाएगा जो नया बाजार स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से रवाना होकर चौपड़ सदर बाजार लक्ष्मीनाथ चौक बावड़ी गेट बस स्टैंड थाना मोड स्थित तहसील मे ए डी एम महोदय को ज्ञापन देंगे ।जैन समाज प्रवक्ता पंकज बड़जात्या ने बताया कि इस बात को लेकर संपूर्ण भारतवर्ष में काफी आक्रोश है बड़े अफसोस की बात है की मंदिर बनाने वाली सरकार से तीर्थ बचाने की गुहार लगानी पड़ रही है । श्री राम मंदिर बनाने वाली सरकार से आस्था का केंद्र सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल ना बनाने के लिए जैन समाज को देशभर में आंदोलन करना पड़ रहा है ।हमारी आस्था का केंद्र सम्मेद शिखर सारे तीरथ बार बार सम्मेद शिखरजी एक बार ।

जैन समाज का शिखर जी बचाओ आन्दोलन

ऐतिहासिक रेली निकाल दिया ज्ञापन, बंद रखे प्रतिष्ठान

अमित गोधा.शाबाश इंडिया

ब्यावर। प्रसिद्ध जैन तीर्थ ह्मसम्मेद शिखर जीह्म को झारखण्ड सरकार की अभिशंषा पर केंद्र सरकार द्वारा प्रर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में एवं उक्त अधिसूचना वापस लेने की मांग को लेकर सकल जैन समाज ब्यावर द्वारा बुधवार को एक विशाल मौन रेली निकालकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री , वन एवम पर्यावरण मंत्री और मुख्यमंत्री झारखंड के नाम उपखण्ड अधिकारी जी को ज्ञापन प्रदान किया।सभी जैन धर्म के अनुयायी प्रातः 9 बजे से मेवाड़ी गेट बाहर स्थित रांका जी की बगीची पर एकत्रित होकर हाथों में तख्तियां, बैनर एवम जैन ध्वज के साथ मौन होकर पुरुष श्वेत परिधान एवम महिलायें चुन्दडी परिधान में और गले में पचरंगा दुपट्टा डाले एक अलग ही नजारा पेश करते हुए मेवाड़ी गेट से तेलियान चोपड़, भारत माता सर्किल, अजमेरी गेट, भगत चौराहा होते हुए उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंचे ' रैली में उपस्थित हजारों की संख्या में उपस्थित जैन अनुयायियों ने अनुशासनबद्ध होकर शहर को एक नया सन्देश दिया की किसी मुद्दे पर विरोध इस तरीके से भी किया जा सकता हैं ।जिसकी जैनेत्तर समाज ने भूरी भूरी प्रशंशा की।रैली का जगह जगह भारत विकास परिषद ब्यावर द्वारा शुद्ध जल पिलाकर स्वागत किया गया।अशोक पाडलेचा के अनुसार उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंचकर दिए गये ज्ञापन का वांचन किया गया एवम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें राष्टपति एवम प्रधानमन्त्री से मांग की गयी की जैन धर्म के 20 तीर्थंकरों की मोक्ष भूमि शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर जी, पार्श्वनाथ पर्वतराज, मधुबन को वन्य जीव अभायारण एवम पर्यटन स्थल घोषित करने वाली अधिसूचना को तुरंत प्रभाव से निरस्त कर जैन तीर्थ घोषित किया जाए तथा सम्पूर्ण क्षेत्र को मांस एवम मदिरा उपयोग एवम विक्रय प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जाएँ , पर्वतराज के वंदना मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, यात्रियों की सुविधार्थ एवम पर्वतराज की सुरक्षा हेतु **CRPF** की चेकपोस्ट बनाई जाएं। इसी अवसर पर ब्यावर अजमेरी गेट बाहर स्थित महावीर स्मारक कीर्ति स्तम्भ के आसपास स्थित मांस मदिरा की दुकानों को अन्यत्र स्थानांतरित करने हेतु ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर ब्यावर सकल जैन समाज के

राजेन्द्र ओस्तवाल, अशोक पालडेचा रिखब खटोड, प्रकाश पाटनी, प्रवीन बडोला, रुपेश कोठारी, अशोक रांका, दिलीप बाबेल, अंकुश बोहरा, अनिल डोसी, राजू सेठिया, अरविन्द मुथा, राजू पहाड़िया, सम्पत बांठिया, गुलाबचंद रांका, संजय जैन, प्रकाश मकाना, जसवन्त बाबेल, वकील चंद नाहर, धर्मचन्द रावका, कैलाश बडजात्या, नोरतमल दुग्गड, महेंद्र सांखला, मनीष बंट, कमलेश जैन, हेमंत बाबेल, नरेन्द्र जैन, मनीष डाकलिया, सुशील छाजेड, राजेन्द्र कुंकुलोल, दिलीप दक, बाबूलाल आच्छा, सुनील मेहता, अरुण रुनिवाल, राजेश नाहर, नवीन बागरेचा, गौरव ओस्तवाल, अजय डोसी, सुनील सेठिया, रितेश फागीवाला, उत्तम लोढ़ा, दीपचन्द कोठारी, सुशील मेहता, मनमोहन मेहता, सुनील पालडेचा, रोनक श्रीश्री माल, प्रकाश मेहता, नरेन्द्र पारख, अमित मेहता, गौतम चोधरी, धनराज रांका, रतनचंद भंसाली, सम्पत डेडीया, पुखराज बोहरा, गट्टू सा गंगवाल, राजेन्द्र मुणोत, गौतम रांका, रोहित मुथा, मनीष सोनी, संजय रावका, प्रिंस ओस्तवाल, दिलीप बोहरा, मनोज बडजात्या, सन्तोष कासलीवाल, अतुल जैन, चेतन हिंगड़, पवन जैन, मनीष भंसाली, मनोहर भंडारी, रतन मेहता, अरिहन्त कांकरिया, निर्मल सेठिया पवन मुथा, अनिल भंसाली, दुलीचन्द मकाना, मनीष मेहता, विजय मुथा, संजय मेहता, मनीष रांका, मनीष कोठारी, विकल कासलीवाल, अमित गोधा, संपत नाहटा, सुरेन्द्र ओस्तवाल, राजेश छलान्नी, मनीष कांकरिया, अशोक बम्ब, मनीष बुरड, संजय रावका, नविन बाकलीवाल, धनेन्द्र डोसी, कमल छाजेड, राकेश गोधा, संजय गंगवाल, सिद्धार्थ फागीवाला, आनन्द गंगवाल, निहालचन्द कोठारी, रेखा पाटोदी, कमलेश बंट, रीना दक, लिलिता रांका, निशा अजमेरा, मिथलेश गंगवाल, मौनिका सुराना, मंजू बाफना, पुष्पा बाकलीवाल, पिंकी जैन, भारती जैन, प्रियंका काला, रेणु कासलीवाल, मनीषा श्रीश्रीमाल, टीना कोठारी, विना नाहर, सुनीता भण्डारी, श्वेता बरडिया, ललिता बोहरा, सुनीता सिघवी, सन्तोष रांका, निशा चोपड़ा, ललिता तातेड, नीरू रुनिवाल, सरिता कुम्भट, बरखा छल्लानी, ललिता श्रीश्री माल, पूजा कोठारी, रेणु छाजेड, उषा मोदी, प्रमिला बोहरा, शान्ता भंडारी आदि सहित कई समाज बन्धु उपस्थित रहे। सकल जैन समाज द्वारा समस्त स्वधर्मी बन्धुओं, सक्रिय कार्यकर्ताओं, मिडिया बंधुओं, पुलिस प्रशासन, एवम प्रशासन तथा भारत विकास परिषद आदि का रैली को ऐतिहासिक एवम सफल बनाने के लिए आभार प्रकट किया।

तिजारा में विशाल रैली

तिजारा. शाबाश इंडिया

झारखंड स्थित शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी की सुरक्षा के लिए सकल दिगम्बर जैन समाज, तिजारा, अलवर (राजस्थान) द्वारा विशाल रैली का आयोजन 21 दिसम्बर 2022 को किया गया। प. पू. आचार्य श्री १०८ अतिवीर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य में हजारों भक्तों के साथ रैली का शुभारंभ देहरा जैन मन्दिर से हुआ जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए एस.डी.एम. कार्यालय पर पहुंचकर संपन्न हुई। समस्त समाज ने एस.डी.एम. महोदय के समक्ष विरोध प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा। इस शांतिपूर्ण विशाल रैली में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष व बच्चों ने सम्मिलित होकर जैन तीर्थ पर आए संकट के खिलाफ पुरजोर विरोध किया।

सीकर जिला जैन समाज रविवार को निकालेगा विशाल मौन जुलूस

सीकर. शाबाश इंडिया

झारखंड राज्य में स्थित जैन समाज के सर्वाधिक महत्वपूर्ण सबसे बड़े तीर्थ क्षेत्र **''तीर्थ राज सम्मेद शिखरजी''** को झारखंड सरकार व केंद्र सरकार द्वारा पर्यटक स्थल घोषित किए जाने के निर्णय का भारतवर्ष के साथ संपूर्ण विश्व में जैन समाज द्वारा विरोध किया जा रहा हैं। अपने तीर्थ की रक्षा के लिए देश भर में जैन समाज आंदोलित है। प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि सम्मेद शिखरजी बचाओ आंदोलन के तहत रविवार 25 दिसंबर को दोपहर 12:30 बजे सीकर शहर के जैन समाज द्वारा विशाल मौन जुलूस निकाला जाएगा , जो जाट बाजार स्थित दीवान जी की नसियां से प्रारंभ होकर स्टेशन रोड़, अहिंसा सर्किल, कल्याण सर्किल होते हुए कलेक्ट्रेट तक जाएगा । मौन जुलूस में जिले के अन्य स्थानों से भी लोग सम्मिलित होंगे। संयोजक आशीष जयपुरिया व संजय बड़जात्या ने बताया कि समाज के समस्त मंदिर व संपूर्ण संस्थाओं के नेतृत्व में जैन समुदाय द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में स्थानीय प्रशासन को ज्ञापन देकर अपना विरोध दर्ज कराया जाएगा। उक्त आंदोलन जैन धर्म के सबसे बड़े तीर्थ क्षेत्र , बीस जैन तीर्थंकरों और अनंत संतों के मोक्षस्थल श्री तीर्थराज सम्मेद शिखरजी पारसनाथ, गिरिडीह (झारखंड) की स्वतंत्र पहचान, पवित्रता एवं संरक्षण के लिए किया जा रहा है। इस दौरान पूरे दिन समाज के सभी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे ।

सम्मेद शिखर जैनों का था, है और रहेगा

नारे के साथ किया जैन समाज ने विरोध प्रदर्शन। प्रतिष्ठान बंद कर कस्बे में निकाली मौन रैली

कामा. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने को लेकर जैन समाज में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में जैन समाज कामा के युवाओं ने अपने प्रतिष्ठान बंद रख कस्बे में मौन रैली निकालकर विरोध दर्ज कराया। युवा परिषद के अध्यक्ष मयंक जैन लहसरिया ने बताया कि झारखंड राज्य में गिरिडीह जिले में स्थित जैन धर्म के सबसे बड़े तीर्थ क्षेत्र को एक अधिसूचना जारी कर सरकार ने पर्यटक एवं अभ्यारण घोषित कर दिया गया है । जिसका समस्त भारत में जैन समाज के द्वारा विरोध किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में जैन समाज कामां के युवाओं के आह्वान पर स्वैच्छिक रूप से अपने प्रतिष्ठान बंद कर आक्रोश प्रकट किया और सरकार से मांग की कि अति शीघ्र जैन समाज की भावनाओं को स्वीकार कर सम्मेद शिखर को जैन धर्म का पवित्र जैन धार्मिक स्थल घोषित किया जाए । धर्म जागृति संस्थान के अध्यक्ष संजय सर्राफ,जैन मित्र मण्डल के अध्यक्ष सचिन जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रतिष्ठान बंद कर सभी युवा विजय मती त्यागी आश्रम में एकत्रित हो गए। और वहां से मुख्य बाजार होते हुए कामा के प्रमुख मार्गो से गुजरते हुए मौन रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। युवाओं के हाथों में सम्मेदशिखर हमारा है प्राणों से प्यारा है, कम हैं कमजोर नही,आवाज दो हम एक हैं, सम्मेदशिखर अभ्यारण नही पवित्र धार्मिक क्षेत्र के नारे लिखी तख्तियां थी।

सम्मेद शिखर तीर्थ को पर्यटन स्थल बनाने के विरोध को लेकर सड़कों पर उतरा जैन समाज

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

झारखंड में स्थित हजारों साल पुराने सम्मेद शिखर तीर्थ को झारखंड सरकार एवं केंद्र सरकार के द्वारा वन्य जीव अभ्यारण इको सेंसेटिव जोन के अंतर्गत घोषित कर वहां पर्यटन की अनुमति देने के प्रयासों एवं नोटिफिकेशन जारी करने के विरोध में सकल जैन समाज रामगंजमंडी जिसमें दिगंबर श्वेतांबर सभी ने एक साथ मिलकर एकजुटता के साथ रैली निकाली।

रामगंजमंडी में ऐतिहासिक निकाली गई रैली

शहर के बाजार नंबर 1 में स्थित दिगंबर जैन मंदिर पर सुबह से ही जैन समाज के पुरुष बच्चे महिलाओं का आना शुरू हो गया यह रैली सुबह 9:00 बजे प्रारंभ होकर बाजार नंबर 6 युवा दल चौराहा, पन्नालाल चौराहा, सरकारी कुआ चौराहा, माल गोदाम चौराहा होते हुए पुलिस थाने के सामने से होती हुई अदालत परिसर पहुंची। रामगंज मंडी के इतिहास में इतनी बड़ी विरोध रैली आज तक नहीं निकली यदि गौर किया जाए तो रैली का एक सिरा युवा दल चौराहे पर था तो दूसरा सिरा मालगोदाम चौराहे पर नजर आ रहा था। लगभग 2 किलोमीटर लंबी रैली में जैन समाज के पुरुष और महिलाएं बच्चे बड़ी संख्या में हाथों में नारे लिखी तख्तियां को लेकर नारे लगाते हुए चल रही थी।

तख्तियों पर यह लिखे हुए थे संदेश

सत्य अहिंसा नारा है सम्मेद शिखर तीर्थ हमारा है, बहुत सह लियां अब ना सहेंगे अपने अधिकार ले के रहेंगे। केंद्रीय वन मंत्रालय होश में आओ तुगलगी नोटिफिकेशन रद्द करो, 20 जैन तीर्थंकरों की मोक्ष स्थली को पर्यटक स्थल घोषित करना स्वीकार नहीं जैसे नारे पूरे जोश और उत्साह से सुनाई दे रहे थे। विरोध रैली के बैनर लेकर जैन समाज की महिलाएं और पुरुष चल रहे थे।

हजारों लोगों की उपस्थिति में प्रशासन को दिया ज्ञापन

अदालत परिसर के मुख्य द्वार पर आए तहसीलदार को आदिनाथ जैन श्वेतांबर श्री संघ के अध्यक्ष राजकुमार पारख, शांतिनाथ दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष अजीत कुमार सेठी, बघेरवाल जैन समाज अध्यक्ष महेंद्र ठोरा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष अजीत पारख, हुकुम बाफना, दिलीप विनायका, ज्ञानचंद सबदरा, विजय कुमार छाजेड़, बघेरवाल समाज महामंत्री पदम सुरलाया, चक्रेश जैन, राजकुमार गंगवाल, जैन सोशल ग्रुप अध्यक्ष प्रदीप शाह, सचिव राजीव बाकलीवाल, वीर जैन सोशल ग्रुप अध्यक्ष सुनील सुरलाया, ज्ञानचंद डांगी, प्रकाश धारीवाल, प्रदीप चतर, सुभाष बाफना, संजय पतीरा, रूपचंद लाडवा, संजय बीजावत, करुणेश जैन, शांतिनाथ महिला मंडल अध्यक्ष शोभना सांवला, एवं महिलाओं सहित हजारों लोगों के हजूम की उपस्थिति में भारत के राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री, झारखंड के राज्यपाल, झारखंड के मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे गए।

जैन समाज भामाशाह की संतान राजकुमार पारख

रैली के दौरान राजकुमार पारख ने अपने जोशीले उद्बोधन में कहा कि जैन समाज भामाशाह की संताने हैं। जैसे भामाशाह ने राजस्थान की शान बढ़ाने में महाराणा प्रताप को पूरा खजाना अपना देकर सहयोग किया था आज देश का जैन समाज सारी सरकारों को भामाशाह की तरह आर्थिक सहयोग कर रहा है। जैन समाज ने कभी भी अपने तीर्थो के लिए सरकारों से कुछ नहीं मांगा लेकिन जैनियों के किसी भी तीर्थ को अगर सरकारों ने निशाना बनाया तो जैन समाज बर्दाश्त नहीं करेगा।

जैन समाज की दिखी एकता

सकल दिगंबर समाज, सकल श्वेतांबर जैन समाज, स्थानकवासी श्री संघ, जैन सोशल ग्रुप, वीर जैन सोशल ग्रुप, सुप्रभात समूह, दोनों समाज के महिला मंडल के साथ हर व्यक्ति रैली में पहुंचा। इस महारैली में मोड़क गांव, मोडक स्टेशन, चेचट, खैराबाद की जैन समाज के सभी सदस्य मौजूद रहे।

कोटा में एतिहासिक आयोजित हुई विशाल रैली

मुनि शुद्धसागर ने कलेक्ट्रेट पर किया धर्मसभा को सम्बोधित

कोटा. शाबाश इंडिया

कोटा शहर के श्वेतांबर और दिगम्बर जैन समाज के सभी घटकों की एक साथ एक बैनर के नीचे सम्मेदशिखर तीर्थ के संरक्षण,अक्षुणता और पवित्रा कायम रखने हेतु विशाल रैली शहर के विभिन्न मार्गों से निकलकर जिला कलक्ट्रेट कार्यालय पर पहुँची।सकल जैन समाज प्रचार सचिव मनोज जैन आदिनाथ ने बताया कि रैली में हजारों की संख्या में महिला,पुरुष,युवक,युवतियाँ, स्कूली बच्चे शामिल रहे।सकल दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष विमल जैन नांता, ओसवाल जैन समाज के पंकज मेहता,अशोक जैन,नरेंद्र लोढ़ा, लोकेंद्र डांगी आदि ने रैली को सफल बनाने के लिए श्वेतांबर एवं दिगम्बर जैन समाज के सदस्यों से 2 दिन पूर्व सामूहिक अपील कर शहर में आधे दिन सुबह से दोपहर

तक समस्त व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखने का आग्रह किया था।बुधवार को झारखंड सरकार की अनुशंसा पर भारत सरकार द्वारा जारी गजट नोटिफिकेशन के तहत सम्मेदशिखर तीर्थ को पर्यटन स्थल घोषणा को वापिस लेने हजारों युवक, युवतियों, महिलाओं के अलावा स्कूली बच्चे स्कूल की छुट्टी रखकर आंदोलन में पहुंचे। कोटा के समग्र जैन समाज द्वारा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री,केंद्रीय पर्यावरण,पर्यटन मंत्री एवं झारखंड के मुख्यमंत्री के नाम कोटा जिला कलक्टर ओ पी बुनकर को ज्ञापन सौंपते हुए जैन समाज के पक्ष में त्वरित निर्णय लेने और सम्मेदशिखर तीर्थ को पर्यटन नही अपितु सम्पूर्ण क्षेत्र परिधि को अहिंसक क्षेत्र घोषित करने की मांग की है। सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष विमल जैन नांता ने बताया कि लगभग 20 हजार से अधिक समाजबंधु रैली में शामिल हुए। मुनि शुद्ध सागर जी महाराज ससंघ तलवंडी से सीधे विहार कर कलेक्ट्रेट पहुंचें।जहाँ धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होनें केंद्र एवं झारखण्ड सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि जैन समाज अहिंसक समाज है देश की अहिंसक संस्कृति का सम्मान करते हुए तुरन्त प्रभाव से सम्मेदशिखर को मात्र पावन तीर्थ एवं अहिंसक नगरी घोषित कर देना आवश्यक है। रैली में कॉंग्रेस नेता अमित धारीवाल,पंकज मेहता, मनोज टोंग्या, विकास अजमेरा,महामंत्री विनोद जैन टोरडी, कार्याध्यक्ष जे के जैन, मनोज जैन आदिनाथ, रितेश सेठी, लोकेंद्र डांगी,विजय दुगेरिया, संजय बोथरा, नरेंद्र लोढ़ा, जगदीश जिंदल, राजाराम (रावण सरकार) अरुण भार्गव, प्रकाश बज, रितेश सेठी आदि उपस्थित रहे। समाज के लोगों का कहना है कि केंद्र सरकार का पर्यावरण,वन और पर्यटन मंत्रालय और झारखंड सरकार जब तक जैन समाज के पक्ष में निर्णय नही करते तब तक समाज द्वारा आंदोलन जारी रहेगा। आवश्यकता पड़ी तो हजारों की संख्या में समाज के लोग सम्मेदशिखर और दिल्ली कूच के लिए भी तैयार है। उक्त समस्त जानकारी राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार ने प्रदान की ।

विशेषज्ञ देंगें युवाओं के सवालों के जवाब

उदयपुर में निफ्ट की ओर से दो दिवसीय नि:शुल्क कॅरियर काउंसलिंग का आयोजन

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

उदयपुर। फैशन के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करने में निफ़्ट भारत की सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक है और इसमें कोई संदेह भी नहीं किया जा सकता कि यह भारतीय फैशन उद्योग और वैश्विक फैशन उद्योग को क्वालिफाइड तकनीकी प्रोफेशनल्स प्रदान करने की भूमिका भी अदा करता है।इसी के चलते राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, (निफ्ट) जोधपुर की ओर से युवाओं के लिए दो दिवसीय नि:शुल्क कॅरियर ओपन हाउस का आयोजन 22 और 23 दिसंबर को उदयपुर के हिरण मगरी स्थित रॉयल हेरिटेज विला में किया जायेगा। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान(निफ्ट) के निदेशक प्रोफेसर जीएचएस प्रसाद ने बताया कि इस फ्री काउंसलिंग में स्टूडेंट्स को फैशन, डिजाइन, टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट सहित विभिन्न कॅरियर ऑप्शन की जानकारी दी जाएगी, इस दौरान स्टूडेंट्स के सवालों के जवाब विशेषज्ञ देंगे।

सूरज मैदान पर भव्य भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का दूसरा दिन : गुणी व्यक्ति की सदैव प्रशंसा होती है जया किशोरी

जयपुर. शाबाश इंडिया

नागरमल पिस्तादेवी मणकसिया चैरिटेबल ट्रस्ट व सुरेश ग्रुप के बैनर तले आदर्श नगर के सूरज मैदान पर चल रही भव्य श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में बुधवार को विश्व विख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने कपिल भगवान की कथा, जड़ भरत की कथा, माता अनुसुईया की कथा सहित अन्य मार्मिक प्रसंगों का वर्णन किया, जिसे सुन श्रद्धालु भाव विभोर हो गए।इस मौके जया किशोरी ने शिव जी ब्याहने चले पालकी सजा के, संग-संग बाराती चले, ढोल बजाके ... जैसे भजनो से वातावरण को भक्ति व उल्लास से भर दिया। इस मौके पर शिव-पार्वती विवाह प्रसंग के तहत भोले बाबा की बारात निकाली गई। इस मौके पर आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने कहा कि गुणीजन व्यक्ति की सदैव प्रशंसा व स्तुति होती है। जीवन में हम ऐसे गुणीजनों के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। मानव की जीवन रूपी माया की प्रत्येक क्षण प्रश्नों से घिरा हुआ है। उन प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने के लिए व्यक्ति अपने लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग पर अग्रसर होता है। सभी प्रश्नों के उत्तर पाप्त करने के लिए व्यक्ति को सदगुरू की आवश्यकता होती है।ऐसे सदगुरू के रूप में श्रीमद भागवत ही सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ है। अतः इस तरह से भागवत जी का शुभारंभ प्रश्न के द्वारा और विश्राम भी उत्तर के साथ हुआ है। इसलिए श्रीमद भागवत में संपूर्ण प्रश्नों का उत्तर विद्यमान है।उन्होंने आगे कहा कि व्यक्ति जीवन में जिस मार्ग पर चल रहा हो, जिस क्षेत्र में भी कार्यरत हो, यदि व्यक्ति वहां पर सत्य का मार्ग ना छोड़े, असत्य, अनीति, कपट, दंभ व आलस्य से दूर रहे तो निश्चित रूप से वह पूर्ण सत्संगी है और उसे कार्यक्षेत्र में अवश्य सफलता प्राप्त होगी। उन्होंने आगे कपिल भगवान की कथा की विवेचना करते हुए कहा कि कपिल भगवान के सानिध्य में माता देवहुति ने यही प्रश्न पूछा कि हे भगवान कपिल, व्यक्ति को माह दूर

करने का क्या साधन है और व्यक्ति के कल्याण के कौन-कौन से साधन है। कपिल भगवान ने माता देवहुति के प्रश्नों का सुनकर कहा कि है मां, अध्यात्म योग ही व्यक्ति के सुख व शांति प्राप्ति के लिए सबसे सुगम साधन है। उन्होंने यह कहा कि व्यक्ति के बंधन और मोक्ष का कारण केवल मन है। विषयों में आसक्त केवल मन के कारण होता है और परमात्मा में अनुरक्त होने पर ही वही मोक्ष का कारण बनता है। मै और मेरे पन के कारण व्यक्ति असत्य व अनीति का कारण बनता है, वही मान यदि अपनापन छोड़कर सबमें समान भाव रखें, सत्य का अनुशरण करे तो निश्चित रूप से व्यक्ति को सुख शांति की अनुमति होती है। अजामिल की कथा, विश्व रूप चरित्र, गयासुर की कथा व भक्त प्रहलाद की कथा सुनाएंगे।सह सचिव योगेश बिंदल ने बताया कि महोत्सव के तहत 23 दिसम्बर को समुद्र मंथन, वामन अवतार श्रीर जन्मोत्सव के बाद श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश ने दिखाया बडप्पन वरिष्ठ अधिवक्ताओं से मिलने धरना स्थल पर पहुंचे

हाईकोर्ट में वरिष्ठ वकीलों का धरना 331 वें दिन भी जारी रहा

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान हाईकोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ताओं के मनोनयन में अनियमितता को लेकर 25 जनवरी से धरना आज भी जारी रहा मुख्य न्यायाधीश पंकज मित्थल बार के अध्यक्ष महेन्द्र शांडिल्य व कार्यकारिणी के साथ धरना स्थल पर पहुंचे और पूनमचंद भंडारी एडवोकेट वह विमल चौधरी से मिले और कहा जल्दी ही कोई रास्ता निकालेंगे। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने मुख्य न्यायाधीश का स्वागत किया और उनका आभार व्यक्त किया और कहा हम 331 दिन से अहिंसात्मक तरीके शांतीपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। आज धरने पर विमल चौधरी, पूनम चन्द भंडारी,एस एल सोनगरा, इन्द्र जीत खतूरिया, हिम्मत सिंह, रामवतार वर्मा,अजीत सिंह लूनिया, डॉक्टर डी एन शर्मा, संजय महिला, लाजवंती नायक, अनामिका अरोड़ा, सतीश सर्वदा, कुसुम नरूका संगीता सुंडा, पूजा लेखरा राजेश मुथा रामअवतार शर्मा, महेंद्र सिंह गोठवाल राजेंद्र शर्मा, राजेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह गोठवाल, तेजेंद्र कुमार बाबूलाल सैनी व दिनेश शर्मा,सहित सैकड़ों अधिवक्ता धरने पर बैठे। वकीलों का कहना है वकीलों का अपमान नहीं सहेगा राजस्थान। धरना लगातार जारी रहेगा ।

जैन तीर्थ सम्मेद शिखर जी को पवित्र क्षेत्र घोषित करने राघौगढ़ में जैन समाज ने कारोबार बंद रखकर विरोध किया

झारखंड के मुख्यमंत्री की घोषणा का स्वागत मगर जैन समाज का कहना जब तक गजट अधिसूचना जारी नहीं होगी आंदोलन जारी रहेगा

राघौगढ़. शाबाश इंडिया

जैन समाज के सर्वोच्च तीर्थ सम्मेद शिखरजी पारसनाथ पहाड़ जो कि झारखंड राज्य के गिरिडीह जिले में स्थित है, इस पवित्र जैन तीर्थ को झारखंड सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र घोषित कर कार्ययोजना जारी की थी। इसके विरोध में सारे देश में जैन समाज द्वारा आंदोलन किया जा रहा है इसी क्रम में आज 21 दिसंबर को संपूर्ण जैन समाज ने पूरे देश में व्यापार बंद कर विरोध किया इसी क्रम में राघोगढ़ में भी जैन समाज ने अपनी दुकान एवं प्रतिष्ठान बंद कर विरोध किया एवं मांग थी कि जैन धर्म के सर्वोच्च तीर्थ सम्मेद शिखरजी को पर्यटन क्षेत्र नहीं पवित्र क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिया जाए राघोगढ़ में जैन समाज ने लगभग 125 दुकान एवं प्रतिष्ठान दिनभर बंद रख विरोध किया इसी बीच आज दोपहर जैन समाज के व्यापक विरोध को देखते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घोषणा की है कि तीर्थराज सम्मेद शिखर पर्यटन क्षेत्र नहीं बनाया जाएगा तीर्थ क्षेत्र रहेगा इस घोषणा से सारे देश में जैन समाज में हर्ष व्याप्त है और जैन समाज ने मुख्यमंत्री की इस घोषणा का स्वागत भी किया है साथ ही जैन समाज राघोगढ़ के अध्यक्ष अजय कुमार रावत संरक्षक पवन कुमार जैन भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार जैन ने कहां है झारखंड के मुख्यमंत्री जी ने जो घोषणा की है उस घोषणा के पालन में झारखंड सरकार की ओर से यथाशीघ्र गजट अधिसूचना इससे की जारी होना चाहिए कि पूर्व में झारखंड सरकार द्वारा गजट में जो अधिसूचना जारी की गई थी कि सम्मेद शिखरजी को पर्यटन क्षेत्र बनाया जाएगा, उस घोषणा को सरकार वापस लेती है और झारखंड सरकार यह भी स्पष्ट करें कि झारखंड स्थित सम्मेद शिखर जी को तीर्थ क्षेत्र के साथ-साथ पवित्र क्षेत्र भी बनाया जाएगा। जैन समाज का कहना है जब तक अधिसूचना झारखंड सरकार वापस नहीं लेगी आंदोलन जारी रहेगा।

आचार्य सौरभ सागर ने कहा...

सम्मेद शिखर जी का कण-कण पावन-पवित्र

आचार्यश्री बोले नवागढ़ अतिशय क्षेत्र प्राचीन काल से धर्म, संस्कृति, इतिहास, कला, शिक्षा का केंद्र

ललितपुर. शाबाश इंडिया। संस्कार प्रणेता,आचार्य श्री सौरभ सागर जिमहाराज महरौनी विकासखंड में सोजना के पास स्थित प्रागैतिहासिक दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र नवागढ़ में विराजमान हैं। प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में विराजमान आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज ने कहा कि तीर्थ हमारी आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं, तीर्थ धर्म आराधन के केंद्र हैं, पर्यटन के लिए नहीं। सम्मेद शिखर जी का कण -कण पावन पवित्र है उसे पवित्र ही रहने दिया जाए,इसे सरकार पर्यटन स्थल न बनाएं क्योंकि यहां मांसाहार,मुर्गी पालन, पॉल्ट्रीफोरमिंग की शुरूवात से अशुद्धि तो होगी ही सैलानियों के आवागमन से नैतिकता का पतन होगा। भारतीय संस्कृति,धर्म की अवनति भी होगी। उन्होंने कहा कि नवागढ़ अतिशय क्षेत्र प्राचीन काल से धर्म, संस्कृति, इतिहास, कला, शिक्षा का केंद्र रहा है। यहां प्राप्त पुरातन विरासत से सिद्ध होता है यह राजनीतिक, संस्कृति के साथ धर्मसाधना, आत्मकल्याण का प्रमुख स्थान रहा है, यहां के शैलाश्रय, शैल चित्र, उत्कीर्ण आकृति, मूर्तिशिल्प, कलाकृतियां इसे प्रागैतिहासिक सिद्ध करते हैं। क्षेत्र के निदेशक ब्र. जय कुमार जी निशांत का प्रयास सराहनीय है मेरा बहुत बहुत आशीर्वाद। अपने श्री नवागढ गुरुकुलम के माध्यम से जैन संस्कृति एवं संस्कार के संरक्षण का जो पावन पवित्र कार्य किया जा रहा है,आज की आवश्यकता है ।संस्कारों के साथ आधुनिक शिक्षा विशेष उपक्रम है।आपका दीर्घकालीन पुरुषार्थ सराहनीय है। समाज के लिए यह एक उदाहरण है। समाज को सभी क्षेत्रों पर ऐसे उपक्रम आरंभ करना चाहिए। क्षेत्र के पदाधिकारियों ने आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन किया। इस अवसर पर नवागढ़ गुरुकुलम के विद्यार्थी उपस्थित रहे। बुधवार को आचार्यश्री ने नवागढ़ की पहाड़ियों का अवलोकन किया और पहाड़ियों पर स्थित विशिष्ट शैल चित्रों, पत्थरों पर उत्कीर्ण प्राचीन साक्ष्यों को निदेशक ब्र. जय निशांत जी ने परिचय कराया।

सम्मेदशिखर जी के संरक्षण के लिए आचार्यश्री के सान्निध्य में होगा विधान:

नवागढ़ तीर्थक्षेत्र के प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ललितपुर ने बताया कि आचार्य श्री सौरभ सागर महाराज जी के मंगल सानिध्य में शिखरजी के संरक्षण हेतु प्रागैतिहासिक क्षेत्र नवागढ़ जी में विधान का आयोजन 22 दिसंबर को संपन्न किया जा रहा है जिसमें समस्त क्षेत्रीय समाज मूल नायक अरनाथ भगवान के श्रीचरणों में सम्मेद शिखर के ऊपर आए हुए संकट को दूर करने का भाव करते हुए विधान विधि विधान के साथ किया जाएगा।